भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी)
दण्डकारण्य स्पेशल जोनल कमेटी

प्रेस विज्ञप्ति

14 दिसंबर, 2014

ऑपरेशन ग्रीनहंट के तीसरे चरण के पाशविक दमन के बहादुराना मुकाबले का नतीजा है, कसलपाड (चिंतागुफा) एंबुश

हमारी पार्टी के नेतृत्व में जारी क्रांतिकारी आंदोलन, हमारी पार्टी, पीएलजीए, क्रांतिकारी जनताना सरकारों के सफाये के लिए केंद्र–राज्य सरकारों के द्वारा संचालित ऑपरेशन ग्रीनहंट के तीसरे चरण के पाशविक व क्रूर हमलों का अनिवार्य नतीजा है, छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले (बस्तर संभाग) के चिंतागुफा पुलिस थाने के समीप कसलपाड़ जंगल में विगत एक दिसंबर को हमारी पीएलजीए व जनता के द्वारा किया गया साहसिक व बड़ा हमला।

हजारों की संख्या में जिला पुलिस, एसटीएफ, सीआरपीएफ एवं कोबरा बलों के द्वारा समूचे दण्डकारण्य के गांवों पर लगातार हमले किये जा रहे हैं। घरों को जलाना, लूटना, आदिवासियों, गैर आदिवासी ग्रामीणों की अंधाधुंध पिटाई, झूठी मुठभेड़ों में निर्मम हत्याएं, अवैध गिरफ्तारियां, फर्जी केसों में जेलों में बंद करना, गिरफ्तार युवक–युवतियों को ईनामी माओवादी घोषित करना, लालच व दबाव के साथ आत्मसमर्पण करवाना, महिलाओं पर अत्याचार, इन दिनों आम बात हो गयी है। नवंबर महीने में मेगा अभियान के नाम पर आंध्रा, तेलंगाना, उड़ीसा, छग राज्यों के संयुक्त बलों के जरिए सुकमा, दंतेवाड़ा, बीजापुर जिलों में एरिया डॉमिनेशन के नाम पर गश्त अभियान चलाये गये। कुंटा, जेगुरगुण्डा, किस्टारम इलाकों में फसल कटाई व मिंझाई के सीजन में आदिवासी किसान जनता का जीना हराम कर दिया गया था। इन हमलों से जनता को बचाने व उन्हें सुरक्षा प्रदान करने के लिए क्रांतिकारी जनता की सक्रिय भागीदारी के साथ पीएलजीए के जांबाज योद्धाओं व कमांडरों ने कसलपाड़ जंगल में पुलिस की गश्ती टुकड़ी को अपना निशाना बनाया। इस आत्मरक्षात्मक हमले में दो क्रुर आधिकारियों सहित 14 जवान मारे गये एवं 15 अन्य जवान घायल हो गये। मारे गये जवानों से पीएलजीए ने आधुनिक हथियार भी जब्त किये।

एक तरफ समूचे देश की क्रांतिकारी जनता, बुद्धिजीवियों व पार्टी कतारों में नया जोश भरने एवं दूसरी ओर सरकारी सशस्त्र बलों में हड़कंप पैदा करने वाले इस वीरोचित हमले को अंजाम देने वाली पीएलजीए के लाल योद्धाओं, कमांडरों व इसका नेतृत्व करने वाली दक्षिण रीजनल कमांड का दण्डकारण्य स्पेशल जोनल कमेटी क्रांतिकारी लाल अभिनंदन करता है और लालसलाम पेश करती है।

छत्तीसगढ़ की भाजपा सरकार को केंद्र में सत्तासीन होते ही भाजपा की मोदी सरकार ने केंद्रीय अर्ध–सैनिक बलों की दस बटालियन मंजूर की है। टाटा, जिंदल, मित्तल, एस्सार, टीपीजी जैसे देशी–विदेशी बडे पूंजीपतियों के साथ हुए समझौता पत्रों पर तेजी से अमल करने के एजेण्डे पर काम करने के तहत ही ऑपरेशन ग्रीनहंट हमलों को तेज किया जा रहा है। दरअसल इन एमओयु पर अमल होने से बस्तर के दसियों हजार लोगों को विस्थापित होना पडेगा। उनकी करीबन एक लाख एकड़ जमीन हड़पी जायेगी। करीबन उतना ही जंगल नष्ट हो जायेगा एवं बडी नदियां बर्बाद हो जायेंगी। जनता इन विनाशकारी परियोजनाओं का मजबूती से विरोध कर रही है। जान देंगं पर जमीन नहीं का नारा बुलंद की हुई है।

जनता के जल–जंगल–जमीन व संसाधनों को दलाल बड़े पूंजीपतियों व विदेशी कंपनियों के हवाले करने की सरकारों की जन विरोधी नीतियों के खिलाफ, जनता के असली विकास, जनता की जनवादी राजसत्ता के लिए ही क्रांतिकारी जनयुद्ध जारी है। इसे खत्म करके शोषक–शाषक वर्गों की लुटेरी व दमनकारी राजसत्ता को कायम रखने के लिए जारी ऑपरेशन ग्रीनहंट का मुकाबला करने के सिवाय जनता के सामने दूसरा चारा नहीं है। इसी के तहत हमारी पार्टी के नेतृत्व में पीएलजीए व जनता के द्वारा संचालित पलटा कार्रवाई ही है, कसलपाड़ हमला। इस हमले के तुरंत बाद गृहमंत्री का बस्तर दौरा हुआ और सरकार के सुरक्षा सलाहकार सेवानिवृत्त व क्रुर पुलिस अधिकारी विजय कुमार के नेतृत्व में कमेटी गठित की गयी जिसका उद्धेश्य है हमलों को और सुनियोजित व तेज करने की कार्ययोजना बनाना।

छत्तीसगढ़ सहित देश के तमाम देशभक्त, जनवादी, प्रगतिशील ताकतों, छात्र, युवा, मजदूर, किसानों से अपील करती है कि वे ऑपरेशन ग्रीनहंट के खिलाफ आवाज बुलंद करें, सड़क पर उतरें, उसे हराने में क्रांतिकारी जनयुद्ध की हर संभव मदद करें।

गुड्सा उसेंडी

(गुड्सा उसेण्डी)

प्रवक्ता,

दण्डकारण्य स्पेशल जोनल कमेटी,

भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी)